

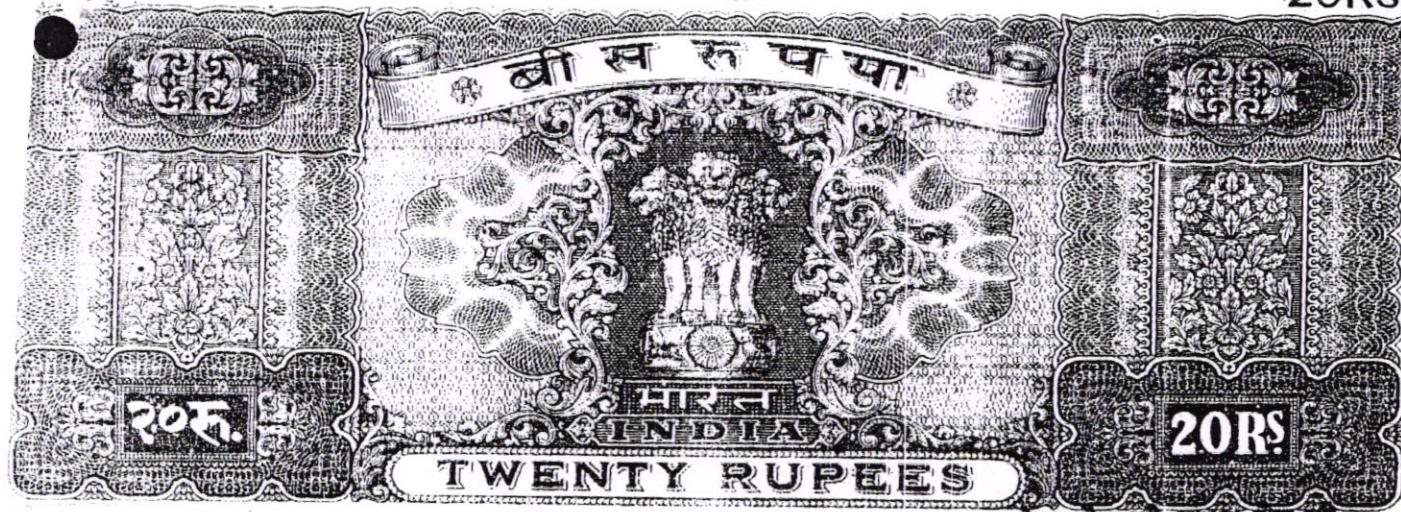
रसीद दस्तखेज वग्रह

6723

दफतर

भुकाम

| दस्तावेज के लिये गया हो। जैसके बाहर फोस दर्शक सहुई है। उसके ऊपर लिखी हुई इवारत | तादात्कास (यार हो तो) दाखलेशुदा | रजिस्ट्री के ओहदेदार के छोटे दस्तखत |
|--|---------------------------------|-------------------------------------|
| २ | ३ | ४ |
| २११-२८ | १२ | |
| २८२ | | |
| २४/२० | | |
| ३१ तितमि १९७७ | | |
| दारीस | | |



CANADA

|| विद्यु - लेख ||

॥ शुद्ध लेख ॥

S. P. B. S.
ब्रह्मुख लेखक २०१५

जबल सम्पादि में के अपने ज्ञान समस्त स्वतंत्र, हित तथा अधिकारों का यहाँत्वेक्षणमुख्य भाग
मिति फाल्गुन संक्रान्त १८८४ तदनुसार दिनांक - २१-३-६३ को कर देने वाले (१) श्रीमतं
उषादेवी निवासी माणिकबाग पेलेस इन्डोर, (२) श्री सत० सी० मल्होत्रा निवासी
माणिकबाग पेलेस इन्डोर, तथा (३) श्री कृ० श्री जैलै इन्डोरेट निवासी रेत्कोर्स रोड़
इन्डोर, जब इस्टीज प्रेन्टर उषा इस्ट इन्डोर द्वारा उसके मंत्री तथा वाम पुत्रत्यार श्री
ह० स० निवारी, निवासी मार्टिन चौक इन्डोर, जैलै के इस लेख में संदोष में विक्रेता के
नाम से सम्बोधित किया गया है, श्री रघुवंश गोपाल पारे लेख निवासी माणिकबाग
इन्डोर जिनको कि इस लेख में संदोष में ब्रेता के नाम से संबोधित किया गया है, के हित में
निम्नानुसार कर देते हैं कि :-

चूंकि विक्रेताओं ने अपने भूमिहीन कर्मचारियों के हितार्थ माणिकबाग जनेक्ष नामक
सम्पादि वेक्रेता के द्वारा प्राप्त भाग की कुछी भूमि को आवश्यक अनुमति प्राप्त करके विक्रेता सित
की है ;

और चूंकि विक्रेता यह विक्रेताओं का एक भूमिहीन कर्मचारी है और उसने एक भूखण्ड की
याचना की है जिसे विक्रेताओं ने पान्ध की है ;

और चूंकि यह विक्रेता ने इस विक्रय लेख के प्रालिङ्ग की पूरी राशि विक्रेताओं के यहाँ जमा
कर दी है ;

और चूंकि विक्रेताओं ने अपने प्रस्ताव दिनांक २-१२-१९७२ के द्वारा विक्रेता क्रमांक १
से यह अधिकार दिया है कि वे सभी विक्रेताओं की ओर से यह विक्रय लेख सम्पादित कर
वंजीकृत लेखने का अधिकार वह विक्रेताओं के मंत्री को दे दें ;

और चूंकि इनुगार विक्रेता क्र० १ ने जैलै इन्डोर प्राप्त अं० ह० स० निवारी के हक्क में
दिनांक २-११-१९७२ को विधिक सम्पादित कर दिया है ;

जैलै इन्डोर विक्रेता ने इस विक्रय के लिये आवश्यक मुद्रापत्र और व्यय का प्रबन्ध कर लिया
है और यह लेख उसके हित में संपादित करने की याचना की है ; पृष्ठ क्र० २ पर

646

20/3/30/3001

द्वारा उपलब्ध
गिया के उपयोगी है । सितम् १९०६
कार्यालय में आवेदन । १२८
को स० या अधिक तो
उत्तरान नहीं । १२८

रेप्रेन्टेन्ट

श्री राजस्थान राजवाहन इम्पी

३६

प्राप्ति राजस्थान के उपयोगी है । १५
जार नियम अनुसार उत्तरान द्वारा
उत्तरान आवेदन के उत्तरान मुद्रित वा
भासिक चुदाएँ शुल्क

दोष

हरिशंकर राजस्थानीप्रसाद तिवारी
आम उत्तरान के सेक्रेटरी
प्रिन्सेप अपा दूस्ठ

महोदयीक्षित उप दो खानका द्वा
रा उत्तरान करते हैं कि तथा किछिका
किसी का नियामन
किसी का नियामन के
किसी के । १२८-२०

मात्र
हरी उपस्थिति में उत्तरान गया है,
और प्रतिक्रिया या विकाया कराव
यथा बच वही
है, क्षमायीय या वाद प्रयत्न होयी ।
भावे नहीं ।

सितम् १९०६

राजस्थान
राजस्थानीप्रसाद

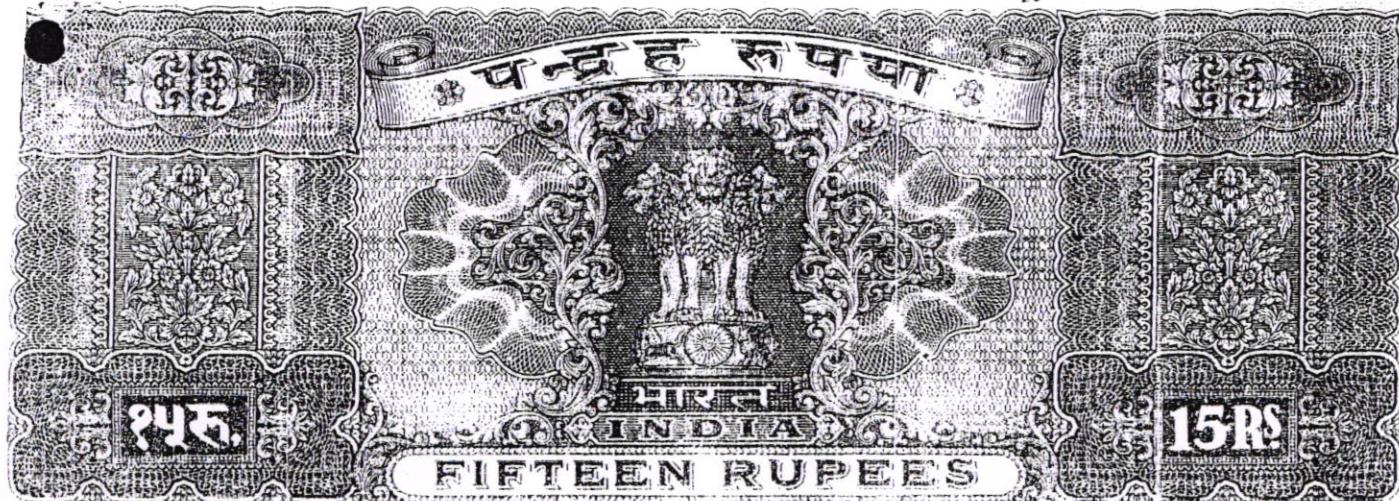
हरिशंकर राजस्थानीप्रसाद तिवारी

आम उत्तरान के सेक्रेटरी

प्रिन्सेप अपा दूस्ठ

महोदयीक्षित उपस्थिति के अनुसूची
का नियामन या विकाया दूस्ठ चिह्न से दृढ़
की को लिखा रखा ।

१२८ सितम् १९०६



II 2 II

अतः यह विक्रय के लिया जाता है ।

(१) इस लेख कारा विक्रेतागण निष्पत्ति अनुबंध सम्पर्क (भूखण्ड) में के अपने समस्त स्वतंत्र, फिल तथा अधिकारों का अन्तरण पूर्ण प्रतीकल पाकर क्रेता के द्वित में करते हैं ।

(२) इस विक्रय के प्रतीकल को पूर्ण रक्षा रूपये दरव - ५० पैसे विक्रेता औ ब्रेता से दिनांक २२-३-७३ को प्राप्त हो गई है ।

(३) रामिलि का वर्णन

मार्णिक्वाग के रोड़ के पारिचम बाजू रेशन मार्णिक्वाग अनेक नामक सम्पर्क के दिनांक पारिचम कोने में स्थित एवं सलग्न मार्णिक्वाग में लालस्याही से दर्शाया भूखण्ड अमांक २२ जिसकी पूर्व पारिचम बोड्डाही १८ फीट दूर है एवं उत्तर दिनांक लालस्याही ३८ फीट है उक्त मार्णिक्वाग इस विक्रय लेख का एक अंग है ।

चतुः सीमा

पूर्व को :- भूखण्ड अमांक २१ जो रायांसेंग देवा को बैठना तय हुआ है ।

मने

पश्चिम को :- उषा दूस्ट की खुली जमीन ।

उत्तर को :- २५ फीट की सहूल दूस्ट की ।

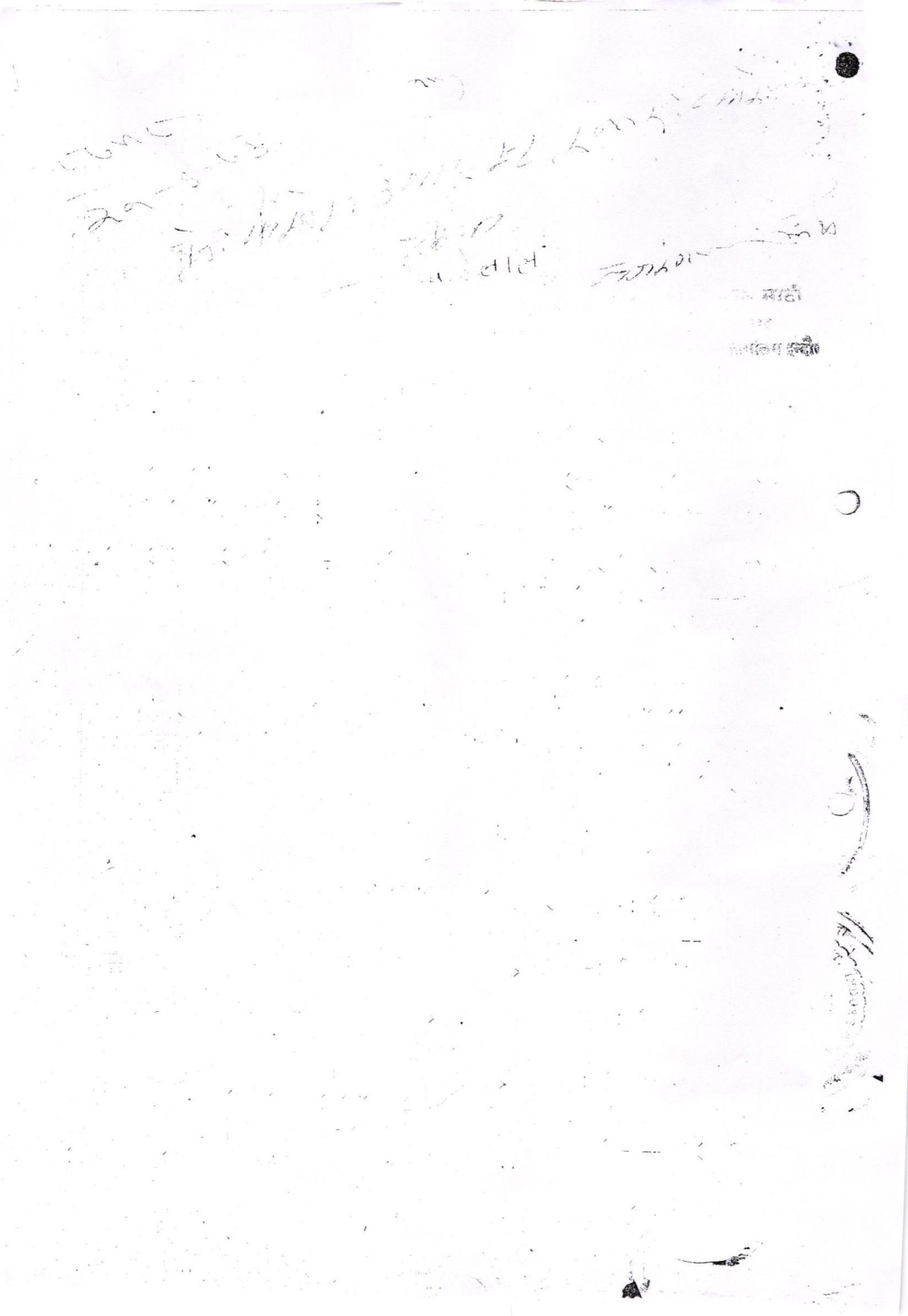
दक्षिण को :- उषा दूस्ट की खुली जमीन ।

(४) उक्त बाणिति भूखण्ड का अधिपत्य विक्रेताओं ने क्रेता को माँके पर जाकर दे दिया है और क्रेता ने उसका मिलान उक्त मानचित्र से कर लिया है ।

(५) उक्त भूखण्ड पर सभी संतंतित विभाग में अपना नाम अंकित करवा लेने का भार क्रेता का ही है और रहेगा ।

पृष्ठ अमांक ३ पर

M/S





11211

अतः यह विक्रय लेख किया जाता है :-

(१) इस लेख द्वारा विक्रेता निष्पत्ति अवधि सम्पर्कि (भूखण्ड) में के अपने समरक स्वत्व, हित तथा अधिकारों वा अन्तरण पूर्ण व्रातीकाल बाल्कर क्रृत्य के लिए में करते हैं।

(२) इस विक्रय के प्रतिकाल की पूर्ण रक्त रूपये ८२६ - ५० पैसे विक्रेता वो ब्रेता से दिनांक २२-३-७३ को प्राप्त हो गई है।

(३) सम्पर्कि का वर्णन
उत्तराखण्ड उत्तराखण्ड

मार्गिकावाग के रोड़ के पारिचम द्वारा रेस्ट घारांगवाग अनेक नामक सम्पर्कि के दादिया पारिचम कोने में स्थित एवं सलग्न मार्गिक भूमि लालस्याही से दर्शाया भूखण्ड अमांक २२ जिसकी पूर्व पारिचम बौद्धाई १८ फौट दर्हन उत्तर दादिया लालस्याही ३८ फौट है उक्त मानचित्र इस विक्रय लेख का एक अंग है।

बहु: सीमा

पूर्व को :- भूखण्ड अ०२१ जो रालांसेंग देवा को बैना तथा हुवा है।

मनि

परिचम को :- उषा द्वास्ट की खुली जमीन।

उत्तर को :- २५ फौट की सड़क द्वास्ट की।

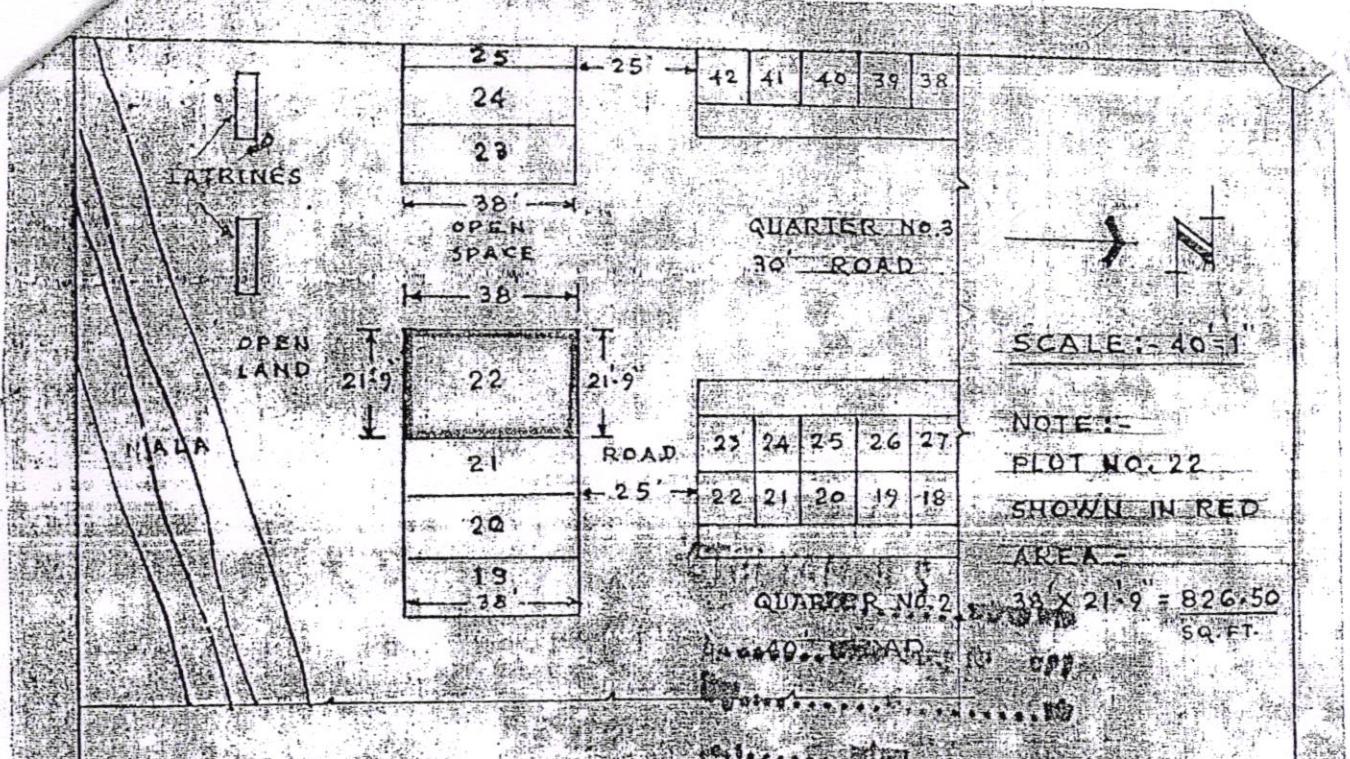
दक्षिण को :- उषा द्वास्ट की खुली जमीन।

(४) उक्त बाहिरित भूखण्ड का अधिपत्य विक्रेताओं ने ब्रेता को माले पर जाकर दे दिया है और ब्रेता का उ ने उसका मिलान उक्त मानचित्र से कर लिया है।

(५) उक्त भूखण्ड पर सभी संतुष्टि विभाग में जपना वास बंकित करवा लेने का पार ब्रेता का ही है और रहेगा।

पृष्ठ अमांक ३ पर

एवं विवेज क्रमांक १४/६१२२/७३ दिनांक २१/०७/१९७३



SCALE:- 40'-1"

NOTE:-

PLOT NO. 22

SHOWN IN RED

AREA:-

$$38 \times 21.9 = 826.50 \text{ SQ.FT.}$$

SITE PLAN OF PLOT NO. 22 AT MANIK BAGH (ANNEXE) INDORE.

SELLER

SHRI RAMESH CHANDRA S/o PIYALAL M.R. B/o. MANIKBAG INDORE.

PURCHESER

SHRI VALLABH S/o. GARIYA PARDESI R/o. MANIKBAG INDORE.

TRACE ON DRG/N0.344/18-3-1971

13-3-1978

M. L. H.
L. No. 16

संतानी अधिकारी 18/2446 दिन 28/05/1979